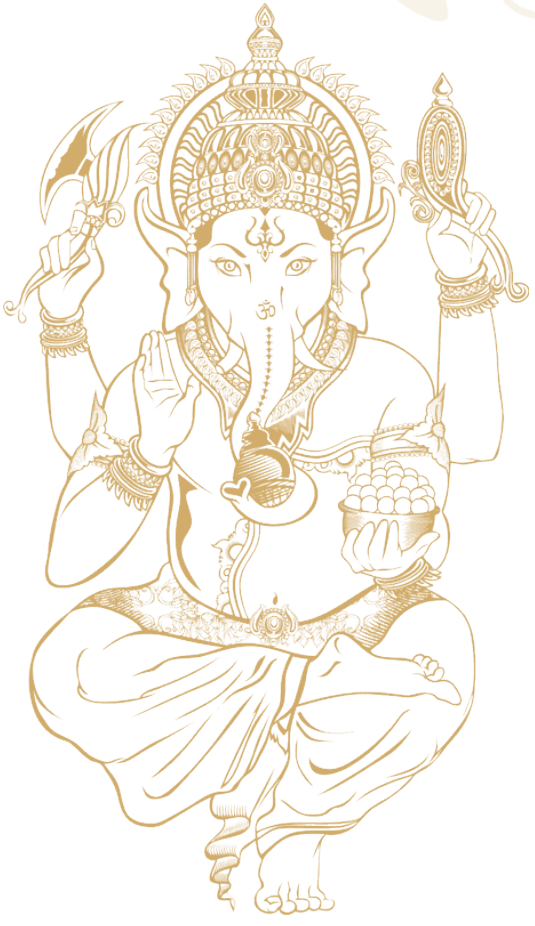

Dr.Ramit Singh

09 Feb 1986

02:16 PM

Aligarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121612002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/02/1986**
दिन	रविवार
जन्म समय	**14:16:00 घंटे**
इष्ट	18:09:03 घटी
स्थान	**Aligarh**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:54:00 उत्तर
रेखांश	78:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:58:16 घंटे
वेलान्तर	-00:14:16 घंटे
साम्पातिक काल	23:14:53 घंटे
सूर्योदय	07:00:22 घंटे
सूर्यास्त	18:03:50 घंटे
दिनमान	11:03:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	26:38:43 मकर
लग्न के अंश	08:09:31 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	वरियान
करण	किंस्तुघ्न
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गू-गूजरमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	08:09:31	328:20:27	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			मक	26:38:43	01:00:46	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	00:48:02	13:40:26	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल			वृश्चि	10:30:46	00:35:05	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	स्वराशि
बुध		अ	कुंभ	02:57:52	01:48:41	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
गुरु		अ	कुंभ	03:37:30	00:14:22	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
शुक्र		अ	कुंभ	01:37:01	01:15:14	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मित्र राशि
शनि			वृश्चि	14:50:56	00:03:40	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	09:07:04	00:11:55	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	09:07:04	00:11:55	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
हर्ष			वृश्चि	27:47:41	00:02:18	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
नेप			धनु	11:16:34	00:01:44	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो	व		तुला	13:42:07	00:00:01	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	24:04:16	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:39:39

लग्न-चलित

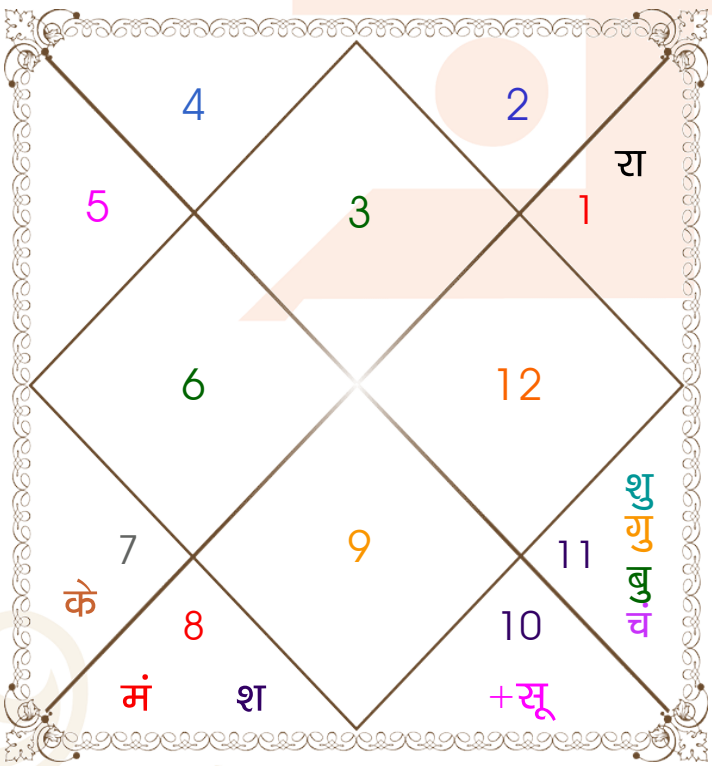

चन्द्र कुंडली

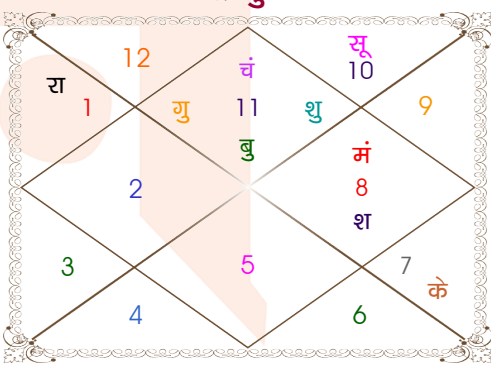

नवमांश कुंडली

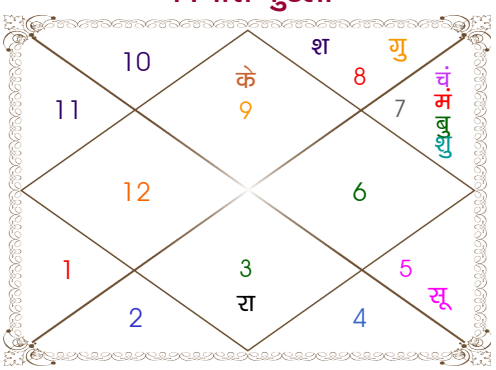

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 0 मास 29 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
09/02/1986		10/03/1989		10/03/2007		10/03/2023		10/03/2042	
10/03/1989		10/03/2007		10/03/2023		10/03/2042		10/03/2059	
	00/00/0000	राहु	21/11/1991	गुरु	28/04/2009	शनि	13/03/2026	बुध	06/08/2044
	00/00/0000	गुरु	16/04/1994	शनि	09/11/2011	बुध	20/11/2028	केतु	03/08/2045
	00/00/0000	शनि	20/02/1997	बुध	14/02/2014	केतु	30/12/2029	शुक्र	03/06/2048
	09/02/1986	बुध	09/09/1999	केतु	21/01/2015	शुक्र	01/03/2033	सूर्य	09/04/2049
बुध	06/09/1986	केतु	27/09/2000	शुक्र	21/09/2017	सूर्य	11/02/2034	चंद्र	09/09/2050
केतु	02/02/1987	शुक्र	27/09/2003	सूर्य	10/07/2018	चंद्र	12/09/2035	मंगल	06/09/2051
शुक्र	03/04/1988	सूर्य	21/08/2004	चंद्र	09/11/2019	मंगल	21/10/2036	राहु	25/03/2054
सूर्य	09/08/1988	चंद्र	20/02/2006	मंगल	15/10/2020	राहु	28/08/2039	गुरु	30/06/2056
चंद्र	10/03/1989	मंगल	10/03/2007	राहु	10/03/2023	गुरु	10/03/2042	शनि	10/03/2059

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
10/03/2059		10/03/2066		10/03/2086		10/03/2092		11/03/2102	
10/03/2066		10/03/2086		10/03/2092		11/03/2102		00/00/0000	
केतु	07/08/2059	शुक्र	10/07/2069	सूर्य	28/06/2086	चंद्र	08/01/2093	मंगल	07/08/2102
शुक्र	06/10/2060	सूर्य	10/07/2070	चंद्र	27/12/2086	मंगल	09/08/2093	राहु	26/08/2103
सूर्य	11/02/2061	चंद्र	10/03/2072	मंगल	04/05/2087	राहु	08/02/2095	गुरु	01/08/2104
चंद्र	12/09/2061	मंगल	10/05/2073	राहु	28/03/2088	गुरु	09/06/2096	शनि	10/09/2105
मंगल	08/02/2062	राहु	10/05/2076	गुरु	14/01/2089	शनि	08/01/2098	बुध	10/02/2106
राहु	26/02/2063	गुरु	09/01/2079	शनि	27/12/2089	बुध	10/06/2099		00/00/0000
गुरु	02/02/2064	शनि	10/03/2082	बुध	03/11/2090	केतु	09/01/2100		00/00/0000
शनि	13/03/2065	बुध	08/01/2085	केतु	10/03/2091	शुक्र	10/09/2101		00/00/0000
बुध	10/03/2066	केतु	10/03/2086	शुक्र	10/03/2092	सूर्य	11/03/2102		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 1 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।